IAS Mentorship

With Reyasat Ali sir & Experienced team in CSE prep

CSE Main 2022: Mini Mock Test 1

Syllabus:	• • Modern History • •
Name of Candidate	MOHAN MANGAWA
Email Id	MOHANMANGA022000@GMAIL.COM
Date	27/06/22
Medium: Hindi / English	
Time: 1 Hour	Start Time: 6:30 PM
End Time:	7:40 PM

5 min Extraa.

Q. No.	Max. Marks	Marks obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	15	
5	15	
6	15	
7	15	
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
Total	90	
Invigilator	Signature	

WhatsApp/Telegram/Text/Call: **8090528260**

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

	Excellent	Good	Average	Unsatisfied
Introduction				
Conceptual Understanding				
Contextual Clarity				
Content Enrichment				
Presentation				
Alignment				
Contextual Justification				

Dear Mohan,

Read questions carefully, understand the demand 1st then frame your answer as per the context of the Q. in many answer your points are not as per the context of the Question asked. (See individual remarks)

*introduction is good in most of the question

*Content: there is a need to enrich the content
think more points, data & facts, examples have to be incorporated

* Presentation is ok, try to add diagram, flocharts etc

*conclusion need to be improve how it impacted have to be given

keep writing and all the best

30/90

Thanks
Reyasat Ali
IAS Mentorship

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

Q1. The growth of organized national Movement started in the second half of the 19th century which finally culminated in the demand for self-government. Elucidate 150 words

संगठित राष्ट्रीय आंदोलन की शुरुआत मुख्यतः 1857 के विद्रोह से बाद होती है।

good introduction mention sepoy mutiny

मुख्य कारण

(1) बुद्धिजीवी वर्ग का धीरे-2 सरकार से मोहभंग

(2) सरकारी नीतियों के गलत परिणाम

(3) शिक्षित वर्ग का इंग्लैंड तथा ब्रिटिश उपनिवेशवादी सोच का आगे होना

(4) 1850 के बाद के काल में कई देशों जैसे फ्रांस, अमेरिका, यूरोप में नये राजनीतिक सिद्धांतों का आगमन।

along with this the change in mindset of people
rise of middle class
western education

m

मुख्य संगठन

① ईस्ट इंडिया एसोसिएशन
 दादा भाई नौरोजी

② इंडियन लीग - शिशिर कुमार घोष

उपरोक्त तथा अन्य संस्थाओं ने कांग्रेस की स्थापना की नींव रखी। 1885-1905 के बीच उदारवादियों का प्रमुख तथा सरकार के साथ सहयोगात्मक रवैया

उग्रवादियों के उदय के कारण

① सरकार का दमनात्मक रवैया
② उदारवादियों की निष्क्रिय क्रियापद्धति
③ लॉर्ड कर्जन की प्रतिक्रियावादी नीतियाँ
④ बंगाल विभाजन ने स्वदेशी आंदोलन का मार्ग प्रशस्त किया।

इस प्रकार स्वदेशी आंदोलन में अंततः 'स्वराज्य' की मांग की गई।

year of establishment have to be mentioned

these discussion and contents are not as per the context of the question

Discuss one to one and read model answer

irrelevant conclusion should be improved
2.0/10

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

Q2. Discuss the causes behind the rise of revolutionary terrorism during the National freedom Movement. Also, discuss its impacts. 150 words

क्रांतिकारी

क्रांति आंदोलनकारी सशस्त्र क्रांति द्वारा ब्रिटिश शक्ति को उखाड़ फेंकना चाहते थे। उन्होंने हिंसक तरीकों को अपनी क्रियापद्धति का हिस्सा बनाया।

also assaination of unpopular officers. was the main motive

कारण

① 1907 के बाद स्वदेशी आंदोलन ठंडा तथा नेताओं की गिरफ्तारियां

② ब्रिटिश सरकार द्वारा लगातार दमनात्मक रवैया।

Maratha and kesari of bal Gangadhar Tilak had to be mentioned

③ संगठित नेतृत्व की कमी

④ कई प्रतिक्रियावादी जैसे समाचार पत्र अधि. 1908, धारा 124A को लागू किया गया

⑤ सरकार द्वारा स्वराज्य की मांगों की अवहेलना

*jalliahwalah massacre
*sudden withdrawal of non cooperation movement

revise your concept between Revolutionary and Extremism phase

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

क्रियापद्धति

① अलोकप्रिय ब्रिटिश अधिकारियों की हत्या जैसे – खुदीराम बोस द्वारा किंग्सफोर्ड की

② समाचार पत्रों, उपन्यासों द्वारा जनता में बागी तेवर उत्पन्न करना। जैसे – युगांतर एवं संध्या अखबारों द्वारा

③ विदेशों से धन व हथियार जुटाकर भारत में क्रांतिकारी गतिविधियां जैसे – गदर पार्टी द्वारा सैन फ्रांसिस्को में

दूसरा चरण असहयोग आंदोलन के स्थगन तथा मार्क्सवादी विचारधारा के प्रभाव के कारण चला। इसमें –

① HRA का गठन – 1924

② काकोरी ट्रेन एक्शन – 1925

③ सॉण्डर्स की हत्या

④ सेन्ट्रल असेंबली में बम धमाका – 1929

chapekar brothers assassination of palgue commissioner rand

good points

alo mention kakaori train action

All these should be part of main body part in causes and impact area

conclusion should be holistic in terms of significance of these reolutions etc
3/10

Intro. -

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

Q3. Highlight the causes behind the birth of the Quit India movement. Was it really an Un-Gandhian national movement? 150 words

"भारत छोड़ो आंदोलन ब्रिटिश राज के ताबूत में आखिरी कील साबित हुआ।"

very good intro

कारण

① द्वितीय विश्व युद्ध में देशवासियों की सहमति बिना शामिल किया जाना

② विश्व युद्ध के कारण उत्पन्न आर्थिक समस्याएं - जैसे मुद्रास्फीति, बेरोजगारी एवं उद्योगों का ह्रास, किसानों की हालत दयनीय

③ सरकार द्वारा लगातार कांग्रेस की स्वतंत्रता की मांग को न स्वीकारना जैसे - अगस्त प्रस्ताव एवं क्रिप्स मिशन में भी केवल डोमिनियन स्टेटस की ही मंजूरी

along with this failure of cripps mission

good

Relevent points

Intro. -

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

④ सरकार द्वारा दमनात्मक एवं शोषणकारी नीतियों का पालना

क्या यह गांधीवादी आंदोलन था

पक्ष
① गांधी जी द्वारा केवल निर्देश
② उसमें स्वतः स्फूर्तता अधिक थी तथा हिंसक भी अधिक
③ कई जगह स्थानीय / समानांतर सरकारों का निर्माण जैसे - बलिया, तामलुक, सतारा आदि
④ गांधीजी पूरे आंदोलन के दौरान जेल में थे

विपक्ष
① जेल में होने के बावजूद गांधीवादी निर्देशों को पालना
② सांप्रदायिकता का एक भी मामला नहीं
③ छिटपुट हिंसा के अलावा अहिंसक
④ कई नेताओं द्वारा बयान जैसे - जयप्रकाश नारायण स्वामी

intialy Gandhi ji call for non violent non cooperation movement at Wardha,

gandhiji just provided direction
it was a leaderless movement as all major congress leaders were in jail

but it was a violent movement and gandhiji refused to condem the violence
3.5/10

– जॉर्ज जैकब हाल्योक

Intro. –

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

Q4. Highlight the major differences between British colonialists and earlier invaders. Also, Critically Examine the stages of British colonialism in India and its impact. 250 words

भारत पर सर्वप्रथम आगमन का विचार पुर्तगालियों द्वारा किया गया परन्तु छिटपुट लड़ाईयों के बाद मुख्य प्रतिद्वंद्विता ब्रिटिश एवं फ्रेंच के बीच ही रही।

start from Shaka's, hunas then move to sultanate period then Mughal

ब्रिटिश एवं अन्य आक्रमणकारियों में अन्तर

① पहले के आक्रमणकारी जैसे – शक, पह्लव, मुगल इत्यादि यहीं के होकर रह गये; लेकिन ब्रिटिश हमेशा इससे अलग एवं विदेशी ही बने रहे।

also they made india there home and enriched it's culture

② ब्रिटिश द्वारा हमेशा धन के निष्कासन की योजनाएं बनाई; जबकि अन्य आक्रमणकारियों द्वारा भारत में ही कमाकर इसका उपयोग

They have not interfared in economic system but british did.

③ ब्रिटिश द्वारा औद्योगिक क्रांति के कारण आर्थिक स्वरूप शोषणकारी हो रहा

Earlier they enhances India's cultural horizon

डॉर्जी ... - बॉर्न जैकब हाल्वांड

Intro...

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

जबकि अन्य आक्रमणकारियों द्वारा ऐसा नहीं।

④ ब्रिटिश द्वारा हर क्षेत्र में हस्तक्षेप जैसे सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक मुद्दों में; जबकि आक्रमणकारियों द्वारा अहस्तक्षेप की नीति

most of them didnot interfere with the religious matters of Indian

⑤ ब्रिटिश द्वारा नये विचारों को प्रभावित करने के अलावा आधुनिकीकरण में योगदान; लेकिन मध्यकालीन एवं प्राचीन आक्रमणकारियों द्वारा ऐसा नहीं।

ब्रिटिश औपनिवेशीकरण के चरण

① 1757 में बंगाल विजय
② 1764 में बक्सर के युद्ध के पश्चात् द्वैध शासन
③ 1767 - 1799 के बीच मैसूर विजय
④ 1818 में मराठा विजय
⑤ 1848 में सिक्ख विजय

.these are not phases these are events
.revise the concept
.Merchanlatism
.colonialism
.Investment

IAS Mentorship
By Reyasat Ali & Team I 8090528260 Telegram WhatsApp Call

विलय के लिए नीतियाँ

① रिंग फेन्स की नीति - 1772-84
   └ राज्यों का बफर के रूप में

② सहायक संधि - 1799

③ हड़प / विलय की नीति - 1849 में

ब्रिटिश विलय के प्रभाव

① आर्थिक
- → भू-राजस्व की अत्यधिक ऊँची दर → कृषक कंगाल
- → भेदभावपूर्ण प्रशुल्क नीति
- → भारतीय उद्योग का विनाश
- → कृषि के वाणिज्यीकरण ने अकालों की आवृत्ति बढ़ाई

② सामाजिक
- → सती प्रथा, विधवा पुनर्विवाह गैर कानूनी
- → जमींदारों के अधिकार छीने गए

③ धार्मिक
- → मिशनरियों द्वारा धर्मांतरण
- → हिंदू एवं मुस्लिमों धर्मों की प्रचलित प्रथाओं से छेड़छाड़

there ar eproper phase s like mechantislism investment etc that needs to be elaborated

Read the Q carefully, ist understand the context and demand of Q, then frame your answer.

Revise the topic related to this Q.

4/15

IAS Mentorship
By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

Q5. How did the Indian Industrialists Contribute to the freedom struggle? Did the emergence of the socialistic trend during the later period of the struggle deter them from supporting the freedom struggle? Analyze. 250 words

19वीं सदी के उत्तरार्द्ध में भारतीय औद्योगीकरण की शुरुआत हुई तथा 20वीं सदी तक आते-2 कई बड़े-2 व्यापारिक घराने उभर चुके थे।

very good introduction

व्यापारियों / श्रमिकों का आंदोलनों में योगदान

(1) स्वदेशी आंदोलन - इसमें व्यापारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा भेदभावपूर्ण प्रशुल्क नीति इत्यादि अपनी मांगे उठाई

boycott of foreign goods lead to a boost to Indian capitalist class

(2) असहयोग आंदोलन - व्यापारियों द्वारा धन एवं आवश्यक की आपूर्ति की गई तथा बड़े स्तर पर भाग

(3) सविनय अवज्ञा आंदोलन
↳ पहले की अपेक्षा कम प्रत्यक्ष पर्याप्त तौर पर अपनी भागीदारी

very good point

IAS Mentorship
By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

भारत छोड़ो आंदोलन - इस आंदोलन में व्यापारियों द्वारा अपनी भूमिका निभाई

योगदान के तरीके

1. श्रमिकों को प्रोत्साहित करना
2. दर्पित धन की उपलब्धता
3. व्यापारिक संगठनों के द्वारा सरकारी नीतियों को प्रभावित करने के प्रयास
4. 1920 में AITUC की स्थापना द्वारा संगठित दबाव बनाने की कोशिश

समाजवादी विचारधारा का प्रभाव

रूसी क्रांति तथा विश्व में समाजवाद और मार्क्सवाद को लोकप्रिय बनाया। इससे भारतीय

ok fine but read for more relevent content/data/facts etc
Add GD Bidla, Purusottam Das etc name, Establisment of FICCI, etc

along with this moral boost to freedomiveme nt employment generation boost to nationalism

भी अछूते नहीं थे।

भारत में समाजवाद का विकास

① कांग्रेस में सोशलिस्ट खेमे की स्थापना
② नेहरू, बोस जैसे नेता समाजवाद के समर्थक
③ 1925 में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया का गठन

4 वस्तुतः समाजवादी विचारधारा के हावी होने के कारण व्यापारी वर्ग कांग्रेस से दूर होने लगा

कारण

① किसानों एवं मजदूरों के हितों पर ज्यादा जोर
② बुर्जुआ वर्ग के रूप में व्यापारियों को देखना

परन्तु फिर भी कांग्रेसी नेता पूर्णतः समाजवादी विचारधारा अपनाने से बचे तथा मध्यमार्गी होने के कारण आंदोलन में व्यापारियों का सहयोग मिलता रहा।

Russian revolution of 1918 provided an alternative to capitalist mind set

conclusion ok, read model for content enrichment

5.5/15

भी अछूते नहीं थे।

भारत में समाजवाद का विकास

① कांग्रेस में सोशलिस्ट खेमे की स्थापना

② नेहरू, बोस जैसे नेता समाजवाद के समर्थक

③ 1925 में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया का गठन

④ वस्तुतः समाजवादी विचारधारा के हावी होने के कारण व्यापारी वर्ग कांग्रेस से दूर होने लगा

कारण

① किसानों एवं मजदूरों के हितों पर ज्यादा जोर

② बुर्जुआ वर्ग के रूप में व्यापारियों को देखना

परन्तु फिर भी कांग्रेसी नेता पूर्णतः समाजवादी विचारधारा अपनाने से बचे तथा मध्यमार्गी होने के कारण आंदोलन में व्यापारियों का सहयोग मिलता रहा।

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team I 8090528260 Telegram WhatsApp Call

Q6. Differentiate between the nature of peasants' movements before and after 1857. Also critically examine the success and significance of post-1857 Peasants movements. 250 words

किसान आंदोलन अंग्रेजों की शोषणकारी भू-राजस्व नीतियों के परिणाम थे।

land revenue policies like mahalwari ryot wari zamindari etc have to be mentioned

कारण

① भू-राजस्व की अत्यधिक दर
② जमीन से बेदखली
③ जमींदारों की जगह बिचौलियों का आगमन
④ बिचौलियों द्वारा शोषण एवं अत्याचार
⑤ कृषि के वाणिज्यीकरण ने असंतोष बढ़ाया
⑥ नाणामहाजनों के जाल में फंसना
⑦ फिर निरंतर अकालों की आवृत्ति तथा सरकार की निष्क्रियता

exploitation by zamindars along with issue of strict enforcement of land revenue collection sysytem

1857 के पहले किसान आंदोलन

स्वरूप

1. स्थानीय समस्याओं के परिणाम
2. नेतृत्व पुराने जमींदारों द्वारा
3. लगान एवं बेदखली के कारण विद्रोह
4. ~~क्षेत्रीय~~ स्वरूप से सीमित
5. कोई राजनीतिक नेतृत्व नहीं

~~किसान आंदोलन~~

1857 के बाद के किसान आंदोलन

स्वरूप

1. नेतृत्व में बुद्धिजीवी लोगों का आगमन
2. व्यापक प्रचार-प्रसार
3. राजनीतिक एवं सामाजिक आधारों का प्रयोग
4. मुख्यतः लगान वृद्धि तथा शोषण के खिलाफ

give examples
more localised
easily
suppressed
no long lasting
impact

examples

महत्व

① किसानों के बीच राजनीतिक चेतना का प्रसार

② आधुनिक विचारों को गांवों तक पहुँच

③ जनता को आसानी से लामबंद किया जा सकता था।

④ सरकार के खिलाफ दबाव समूह की तरह

along with this communism also played its role formation of all india kisan majoor union

प्रमुख किसान विद्रोह - 1857 के बाद

① नील विद्रोह
② पाबना
③ दक्कन
④ बारदोली
⑤ तेलंगाना

] सभी अंग्रेजों एवं जमींदारों की शोषणकारी नीतियों के खिलाफ

this should be mentioned above not in the end

इत्यादि

इन आंदोलनों ने राष्ट्रीय आंदोलन में किसानों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

improve conclusion.
5/15

IAS Mentorship

By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

...ase remember, in granting separate electorates, we are sowing the dragons' teeth and the ...t will be bitter"- Morley. Discuss the statement. (250 W-15 M)

" मार्ले-मिन्टो सुधारों ने उभरते हुए राष्ट्रवाद का गला घोंट दिया"
के. एम. मुंशी

very good intro

उपरोक्त कथन अपने आप में मार्ले-मिन्टो सुधारों के नाम पर अंग्रेजों द्वारा 'फूट-डालो-राज करो' नीति को उजागर करता है।

good points

मार्ले-मिन्टो सुधार-1909 में साम्प्रदायिक तत्व

(1) मुस्लिमों के लिए पृथक निर्वाचन होने की घोषणा

(2) मुस्लिमों को प्रशासनिक व्यवस्था में वरीयता

explain this point what do you mean by this

(3) मुसलमानों को राजनीतिक एवं धार्मिक रूप से अलग-थलग माना।

IAS Mentorship
By Reyasat Ali & Team | 8090528260 Telegram WhatsApp Call

प्रभाव

① पृथक निर्वाचन ने हिन्दू-मुस्लिम एकता को तोड़ दिया।

② राष्ट्रीय आंदोलनों की भागीदारी मुस्लिम नगण्य

③ साम्प्रदायिकता को बढ़ावा मिला जैसे- 1917-18 में दंगे

culminated into partition of india

आगामी परिणाम

also mention role of thinkers like jinnah and Iqbal

① कांग्रेस द्वारा अन्ततः लखनऊ समझौते में पृथक निर्वाचन को मानना पड़ा; जो कि द्वि-राष्ट्र नीति का बीज था।

② राष्ट्रीय आंदोलनों में मुस्लिमों को अंग्रेजों द्वारा बफर के रूप

very good point

IAS Mentorship

में इस्तेमाल किया गया। जैसे – सविनय अवज्ञा आंदोलन एवं भारत छोड़ो से मुस्लिम वर्ग दूर रहा।

↳ इस प्रकार अंग्रेजों की मुस्लिमों को बाँटने की नीति का दूरगामी नकारात्मक एवं भयानक परिणाम हुए।

↳ इसकी भयावह परिणीति भारत विभाजन तथा सांप्रदायिक दंगों के रूप में हुई।

" भारत में अलग-2 धर्मों की उपस्थिति हमारे लिए अच्छी बात साबित हुई।" एच. एम. हर्बिन्स।

good attempt
7.0/15